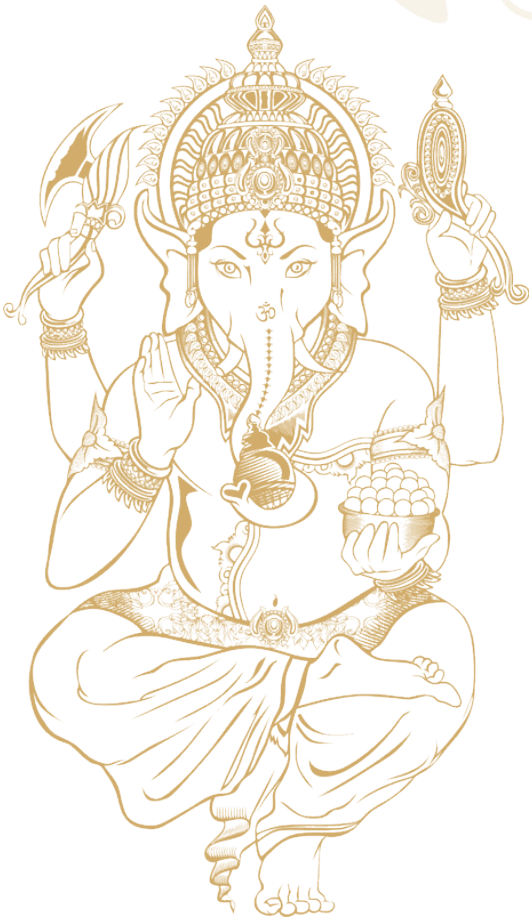

Narender

Priya

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120170101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120170101 Date: 16/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/04/1997	जन्म तिथि	02/04/1998
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 17:05:00	जन्म समय	08:25:00 घंटे
घटी 28:50:03	जन्म समय(घटी)	06:41:28 घटी
India	देश	India
Ballia	स्थान	Raipur
25:45:00 उत्तर	अक्षांश	21:16:00 उत्तर
84:09:00 पूर्व	रेखांश	81:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:06:36	स्थानिक संस्कार	-00:03:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:58	सूर्योदय	05:56:08
18:15:24	सूर्यास्त	18:18:00
23:49:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:51
कन्या	लग्न	वृष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मिथुन	राशि	वृष
बुध	राशि-स्वामी	शुक्र
आर्द्रा	नक्षत्र	मृगशिरा
राहु	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	2
अतिगण्ड	योग	सौभाग्य
गर	करण	तैतिल
ङ--	जन्म नामाक्षर	वो-वोहिनी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
श्वान	योनि	सर्प
मनुष्य	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मृग

Acharya Mandeep Bhardwaj
H No -103, Vijay Nagar, Distt - Bhiwani, Haryana
9671583483
acharyamandeep777@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 5वर्ष 6मा 9दि		14:49:30	कन्या	लग्न	वृष	01:59:56	मंगल 5वर्ष 1मा 7दि	
शनि		29:45:54	मीन	सूर्य	मीन	18:20:31	गुरु	
22/10/2018		15:54:27	मिथु	चंद्र	वृष	26:56:49	09/05/2021	
22/10/2037		24:14:09	सिंह व	मंगल	मीन	27:57:36	09/05/2037	
शनि	25/10/2021	15:42:57	मेष	बुध व	मीन	26:03:28	गुरु	27/06/2023
बुध	04/07/2024	23:17:03	मक	गुरु	कुंभ	19:36:32	शनि	08/01/2026
केतु	13/08/2025	02:33:54	मेष	शुक्र	कुंभ	01:56:16	बुध	15/04/2028
शुक्र	13/10/2028	18:07:23	मीन	शनि	मीन	28:04:48	केतु	21/03/2029
सूर्य	25/09/2029	04:38:03	कन्या व	राहु व	सिंह	16:16:11	शुक्र	20/11/2031
चन्द्र	26/04/2031	04:38:03	मीन व	केतु व	कुंभ	16:16:11	सूर्य	08/09/2032
मंगल	04/06/2032	14:29:29	मक	हर्ष	मक	18:04:41	चन्द्र	08/01/2034
राहु	11/04/2035	06:02:42	मक	नेप	मक	08:02:48	मंगल	15/12/2034
गुरु	22/10/2037	11:26:04	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:05:56	राहु	09/05/2037

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:07 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:51

लग्न-चलित

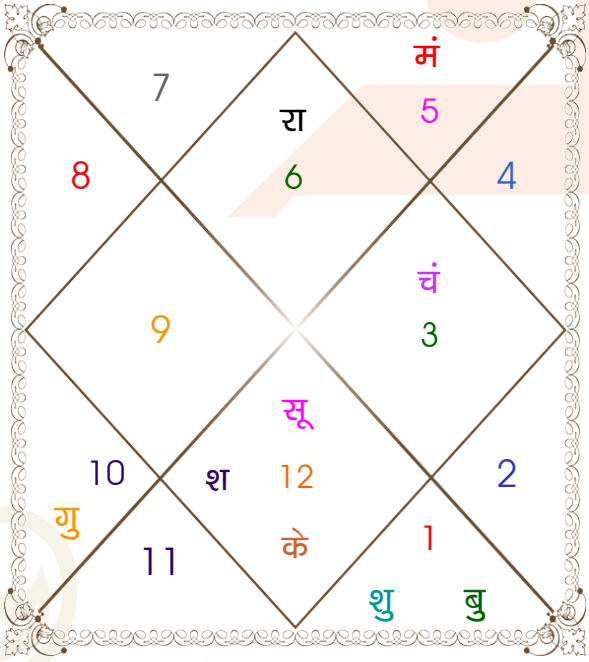

लग्न-चलित

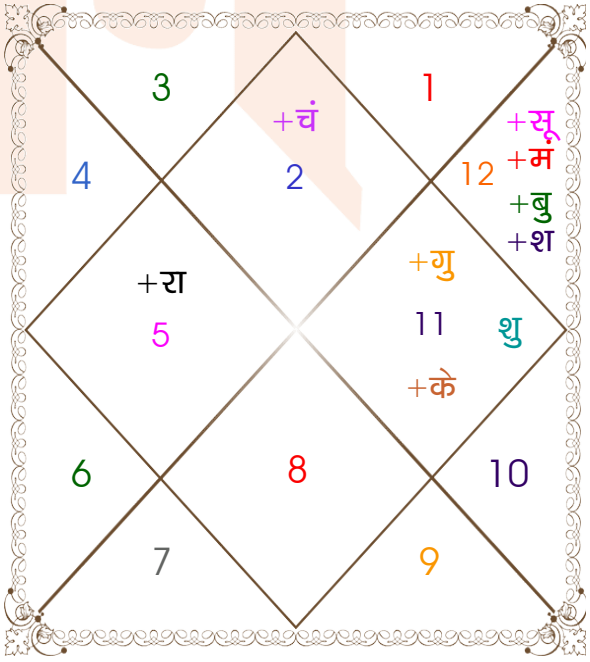

Acharya Mandeep Bhardwaj
H No -103, Vijay Nagar, Distt - Bhiwani, Haryana
9671583483
acharyamandeep777@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

कुल : **24 / 36**

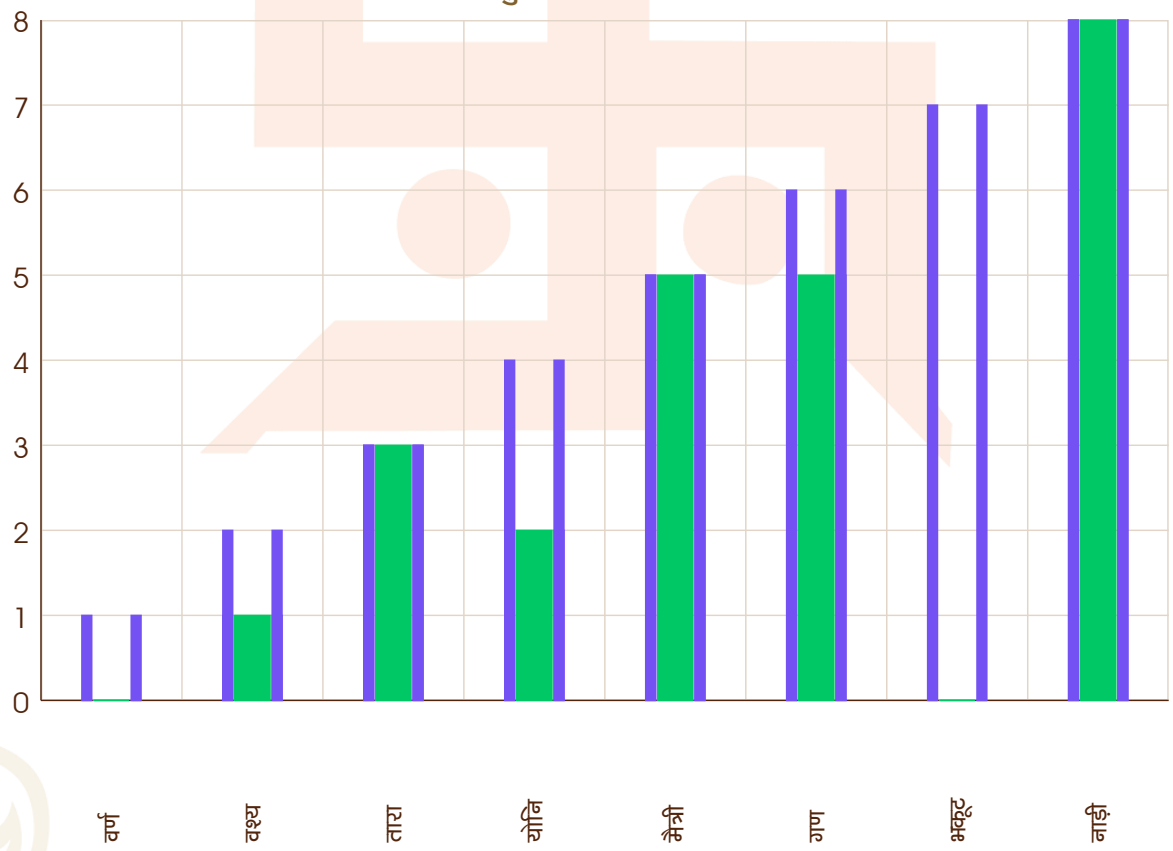

Acharya Mandeep Bhardwaj
H No -103, Vijay Nagar, Distt - Bhiwani, Haryana
9671583483
acharyamandeep777@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विधमान है।

छंतमदकमत का वर्ग मार्जार है तथा च्तपलं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छंतमदकमत और च्तपलं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

छंतमदकमत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है एवं चन्द्र से मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

च्तपलं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

छंतमदकमत मंगलीक है भाव में स्थित है एवं द्वादश भाव में स्थित है एवं राहु भी कन्या की कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है। अतः छंतमदकमत तथा च्तपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Acharya Mandeep Bhardwaj
H No -103, Vijay Nagar, Distt - Bhiwani, Haryana
9671583483
acharyamandeep777@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

छंतमदकमत का वर्ण शूद्र है तथा च्तपलं का वर्ण वैश्य है। क्योंकि च्तपलं का वर्ण छंतमदकमत के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। च्तपलं अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह च्तपलं अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

छंतमदकमत का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं च्तपलं का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप छंतमदकमत एवं च्तपलं दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। च्तपलं अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में छंतमदकमत अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

छंतमदकमत की तारा सम्पत तथा च्तपलं की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से छंतमदकमत एवं च्तपलं दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। च्तपलं एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

छंतमदकमत की योनि श्वान है तथा च्तपलं की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

Acharya Mandeep Bhardwaj
H No -103, Vijay Nagar, Distt - Bhiwani, Haryana
9671583483
acharyamandeep777@gmail.com

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में छंतमदकमत एवं च्तपलं दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि छंतमदकमत एवं च्तपलं के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण छंतमदकमत एवं च्तपलं जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

छंतमदकमत का गण मनुष्य तथा च्तपलं का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में च्तपलं सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर छंतमदकमत व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण छंतमदकमत अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

छंतमदकमत से च्तपलं की राशि द्वादश भाव में स्थित है च्तपलं से छंतमदकमत की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में छंतमदकमत परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु च्तपलं का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। च्तपलं की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही च्तपलं तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने

Acharya Mandeep Bhardwaj
H No -103, Vijay Nagar, Distt - Bhiwani, Haryana
9671583483
acharyamandeep777@gmail.com

फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

छंतमदकमत की नाड़ी आद्य है तथा च्तपलं की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

Acharya Mandeep Bhardwaj
H No -103, Vijay Nagar, Distt - Bhiwani, Haryana
9671583483
acharyamandeep777@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

छंतमदकमत की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा च्तपलं की राशि भूमितत्व युक्त वृष राशि है। वायु एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक शत्रुता एवं असमानता का भाव विद्य मान रहता है अतः छंतमदकमत और च्तपलं के मध्य स्वभावगत असमानताओं के कारण संबधों में मधुरता की अपेक्षा तनाव रहेगा परन्तु परस्पर सामंजस्य से अनुकूल वातावरण बनाने में दोनों समर्थ रहेंगे।

छंतमदकमत का राशी स्वामी बुध तथा च्तपलं का राशि स्वामी शुक्र परस्पर मित्र हैं। अतः इसके प्रभाव से छंतमदकमत और च्तपलं में स्वभावगत असमानताएं होते हुए भी एक दूसरे के प्रति प्रेम एवं स्नेह का भाव रखेंगे तथा दो सच्चे मित्रों की तरह एक दूसरे के दोषों की उपेक्षा करते हुए पूर्ण सहयोग का भाव रखेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख एवं शांति में भाव में वृद्धि होगी।

छंतमदकमत और च्तपलं की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से मानसिक स्तर पर विभिन्नता के कारण संबधों में तनाव का भाव उत्पन्न हो सकता है। छंतमदकमत की प्रवृति परिवर्तनशील होगी जबकि च्तपलं इसे पसंद नहीं करती। साथ ही च्तपलं शांति प्रिय तथा आदर्श गृहिणी होंगी जबकि छंतमदकमत अपने कार्य कलापों को करने में तत्पर रहेंगे। इस प्रकार च्तपलं की इच्छा के प्रतिकूल छंतमदकमत की क्रियाओं से परस्पर संबधों की मधुरता में न्यूनता रहेगी।

छंतमदकमत का वश्य मानव तथा च्तपलं का वश्य चतुष्पद है। मानव एवं चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता एवं शुभता का भाव रहता है। अतः छंतमदकमत और च्तपलं की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता होगी फलतः दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में अल्प मात्रा में ही सफल होंगे जिससे जीवन विशेष सुखमय नहीं रहेगा।

छंतमदकमत का शूद्र वर्ण होने के कारण वह एक गंभीर एवं कर्तव्य परायण कार्य कर्ता होंगे तथा अपने इन गुणों से कार्य करने में तत्पर रहेंगे। च्तपलं का वर्ण वैश्य है अतः धनार्जन तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्य करने में उनकी रूचि रहेगी तथा आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगी।

धन

छंतमदकमत की जन्मतारा सम्पत तथा च्तपलं की अतिमित्र है ये दोनों ताराएं शुभ मानी जाती है। अतः तारा के शुभ प्रभाव से इनके सुख सौभाग्य एवं धनऐश्वर्य में वृद्धि होगी। लेकिन छंतमदकमत और च्तपलं की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है जो भकूट दोष माना जाता है। साथ ही मंगल भी आर्थिक दृष्टि से विशेष शुभ नहीं रहेगा। अतः इनका धनार्जन परिश्रम पूर्वक होगा परंतु उसकी कमी नहीं होगी। जिससे जीवन में आवश्यक

Acharya Mandeep Bhardwaj
H No -103, Vijay Nagar, Distt - Bhiwani, Haryana
9671583483
acharyamandeep777@gmail.com

सुख सुविधाओं का उपभोग करने में समर्थ होंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से छंतमदकमत की प्रवृति अधिक व्यय करने की रहेगी जिससे यदा कदा आर्थिक विषमता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है लेकिन स्थिति नियंत्रण में रहेगी तथा परिश्रम के उपरांत सामान्य स्थिति बनाने में छंतमदकमत और च्तपलं को सफलता प्राप्त होगी।

स्वास्थ्य

छंतमदकमत का आद्य तथा च्तपलं की मध्य नाड़ी में जन्म हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं होगा लेकिन मंगल के दुष्प्रभाव से च्तपलं को समय समय पर स्वास्थ्य संबधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इसके प्रभाव से साथ ही गुप्त रोग या अन्य रक्त अथवा पित संबधी परेशानियां समय समय पर उत्पन्न होंगी। इसके अतिरिक्त मासिक धर्म की अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए च्तपलं को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति के दृष्टि से छंतमदकमत एवं च्तपलं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि च्तपलं का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति च्तपलं के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः च्तपलं को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे च्तपलं सामान्य रूप से सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। छंतमदकमत और च्तपलं बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार छंतमदकमत और च्तपलं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

च्तपलं के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत च्तपलं के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Acharya Mandeep Bhardwaj
H No -103, Vijay Nagar, Distt - Bhiwani, Haryana
9671583483
acharyamandeep777@gmail.com

च्तपलं अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार च्तपलं के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

छंतमदकमत तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में छंतमदकमत के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से छंतमदकमत के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण छंतमदकमत के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।

Acharya Mandeep Bhardwaj
H No -103, Vijay Nagar, Distt - Bhiwani, Haryana
9671583483
acharyamandeep777@gmail.com